Media Coverage

सिंगाजी ताप परियोजना

कार्यशाला में पर्यावरण, पुनर्वास और कार्बन स्टॉक पर चर्चा की

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बीड़. सिंगाजी ताप परियोजना में एडमिन बिलडिंग के कॉन्फ्रेंस हॉल में उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान केंद्र जबलपुर के वैज्ञानिकों के द्वारा दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ व्हाय के शिल्पकार चीफ इंजीनियर जबलपुर सिंगाजी परियोजना के अतिरिक्त मुख्य अभियंता एके शर्मा, एएच रिजवी, पीसी निमारे, राकेश मल्होत्रा और अन्य मध्य प्रदेश पावर जेनरेटिंग कंपनी अधिक अधिकारियों के उपस्थिति में हुआ।

प्रशिक्षण में उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान जबलपुर के वैज्ञानिकों के द्वारा वानिकी के विभिन्न विषयों पर प्रकाश डाला, साथ ही कार्बन स्टॉक आंकलन वार्षिक कार्बन संग्रहण वानिकी नर्सरी में जैव उवरकों का प्रयोग नर्सरी एवं वृक्षारोपण क्षेत्र में कीट प्रबंधन कृषि वानिकी द्वारा सतत उत्पादन बंजर भूमि पुनरुत्थान के लिए उत्तम रोपण पौध उत्पादन उद्योगिक पौधारोपण के माध्यम से कार्बन क्रेडिट से संबंधित अंतरराष्ट्रीय नीतियों के विषयों पर चर्चा की गई। पौधरोपण को सूचीबद्ध एवं निगरानी करने के लिए उपयोगी अनेक वानिकी परिधि की से संबंधित उपकरणों का प्रयोग एम राज कुमार वैज्ञानिक जबलपुर द्वारा दिया गया। दो प्रशिक्षण में डॉ .अविनाश जैन, डॉ. आरके शर्मा, डॉक्टर पवन राना, डॉक्टर नसीर मोहम्मद, एमराज कुमार, निधि मेहता, निकिता राय द्वारा दिया गया।

कार्यशाला में सिंगाजी ताप परियोजना के अधिकारियों को समूह चर्चा के द्वारा वानिकी संबंधित समस्याओं के वैज्ञानिक एवं तकनीकी संसाधनों से अवगत हुए।

सिंगाजी कार्यशाला में वैज्ञानिकों ने अधिकारियों से की समूह चर्चा

बीड़ (निप्र)। सिंगाजी ताप परियोजना में एडमिन बिल्डिंग के कांफ्रेंस हाल में उष्णकटीयबंधीय वन अनुसंधान केंद्र जबलपुर के वैज्ञानिकों के द्वारा दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ व्हाय के शिल्पकार चीफ इंजीनियर जबलपुर, सिंगाजी परियोजना के अतिरिक्त मुख्य अभियंता एके शर्मा, एएच रिजवी, पीसी निमारे, राकेश मल्होत्रा और अन्य मध्य प्रदेश पावर जेनरेटिंग कंपनी अधिक अधिकारियों के उपस्थिति में हुआ । प्रशिक्षण के अंतर्गत उष्णकटीय बंधीय वन अनुसंधान जबलपुर के वैज्ञानिकों के द्वारा वानिकी के विभिन्न विषयों पर प्रकाश डाला गया। साथ कार्बन स्टाक आंकलन वार्षिक कार्बन संग्रहण वानिकी नर्सरी में जैव उर्वरकों का प्रयोग नर्सरी एवं वृक्षारोपण क्षेत्र में कीट प्रबंधन कृषि वानिकी द्वारा सतत उत्पादन बंजर भूमि पुनरुत्थान हेतु उत्तम रोपण पौध उत्पादन उद्योगिक पौधारोपण के माध्यम से कार्बन क्रेडिट से संबंधित अंतरराष्ट्रीय नीतियों के विषयों पर चर्चा की गई । प्रशिक्षण के अंत में पौधारोपण को सूचीबद्ध एवं निगरानी करने हेतु उपयोगी अनेक वानिकी परिधि से संबंधित उपकरणों का प्रयोग एम राज कुमार वैज्ञानिक जबलपुर द्वारा दिया गया। दो प्रशिक्षण में डॉ. अविनाश जैन, डॉ. आरके शर्मा, डॉक्टर पवन राना, डॉक्टर नसीर मोहम्मद, एम राज कुमार निधि मेहता, निकिता राय द्वारा दिया गया। कार्यशाला में सिंगाजी ताप परियोजना के अधिकारियों को समूह चर्चा के द्वारा वानिकी संबंधित समस्याओं के वैज्ञानिक एवं तकनीकी संसाधनों से अवगत हुए।

7 वैज्ञानिकों ने 20 इंजीनियरों को बताया पर्यावरण को कैसे शुद्ध रख सकते हैं

सिंगाजी परियोजना के भवन के कांफ्रेंस हॉल में हुई कार्यशाला में जबलपुर से आए वैज्ञानिकों ने प्रशिक्षण दिया।

सिंगाजी परियोजना : जबलपुर से आई वैज्ञानिकों की टीम ने दो दिन दिया प्रशिक्षण

भास्कर संवाददाता | बीड़

सिंगाजी ताप परियोजना से उड़ती राखड़ के कारण वातावरण में कार्बन स्टाक संरक्षण को लेकर दो दिनी कार्यशाला का आयोजन बुधवार-गुरुवार को किया गया। जबलपुर से आई 7 वैज्ञानिकों की टीम ने परियोजना के प्रमुख अफसरों के साथ 20 इंजीनियरों को भी समझाया कि कैसे वातावरण को शुद्ध रखा जा सकता है।

परियोजना में उष्ण कटिबंधीय व अनुसंधान कार्यक्रम का शुभारंभ चीफ इंजीनियर वाय.के. शिल्पकार (जबलपुर), सिंगाजी परियोजना के अभियंता एके शर्मा, एएच रिजवी, पीसी निमारे, राकेश मनोत्रा की उपस्थिति में हुआ। वैज्ञानिकों की टीम का नेतृत्व डॉ. अविनाश जैन ने किया। उन्होंने वानिकी के विषयों के साथ कार्बन स्टाक आंकलन, वार्षिक कार्बन संग्रहण, वानिकी नर्सरी में जैव उर्वरकों का प्रयोग, नर्सरी एवं पौधारोपण क्षेत्र में कीट प्रबंधन आदि पर सैद्धांतिक व जंगल में जाकर प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया। वैज्ञानिकों की टीम में डॉ. जैन के अलावा डॉ. आरके शर्मा, पवन राना, नसीर मोहम्मद, एम राजकुमार, निधि मेहता, निकिता राय शामिल थे।